हिंदी कक्षा - सात

पाठ - 5

Red Wings Page No. __ Date __/__/20__

प्र०1

उ० मिठाई वाला बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए अलग-अलग चीजें बेंचता था ताकि बच्चे उसकी चीजें देखने के लिए रुचि में आएँ तथा वह महीनों बाद नए रूप में इसलिए आता था ताकि बच्चों में अपने प्रति उत्साह व उमंग देख सके।

प्र०2

उ० मिठाई वाले की आवाज में मादकता का मिश्रण था इसलिए बच्चे तो बच्चे, बड़े भी उसकी मधुर आवाज को सुनकर खिचें चले आते थे।

प्र०3

उ० विजय बाबू ने मुरलीवाले से मुरली दाम पूछे तो तो मुरलीवाले ने कहा कि वैसे तो सबको तीन-तीन पैसे में देता हूँ लेकिन आपको दो पैसे में ही दे दूगाँ। विजय बाबू ने कहा" तुम लोगों को झूठ बोलने की आदत होती है। चाहे सबको इसी दाम में देते हो, पर एहसान का बोझ मुझपर लाद रहे हो।

मुरलीवाले ने इस बात का तर्क दिया कि साहब यह तो ग्राहकों का वसूल है। दुकानदार चाहे हानि उठाकर चीज क्यों न बेचे, पर ग्राहक यही समझते है कि दुकानदार मुझे लूट रहा है।

प्र०५
उ० खिलौने वाले की आवाज सुनकर बच्चे जिस अवस्था में होंगे उसी में दौड़कर खिलौने लेने के लिए आ जाते और उत्साह के साथ खिलौने देखते हुए खरीददारी करने लग ~~ल~~ जाते।

प्र०६
उ० रोहिणी को मुरलीवाले का मधुर स्वर सुनकर खिलौने-वाले का स्मरण हो आया क्योंकि उसकी आवाज में वैसी ही मधुरता थी जो बच्चों को आकर्षित करती थी।

प्र०६
उ० रोहिणी की बात सुनकर मिठाईवाला भावुक हो गया। उसने इन व्यवसायों को अपनाने का कारण मन-बहलाना बताया क्योंकि उन बच्चों को देखकर उसे अपने बच्चों जैसी समीपता का अनुभव होता है।

प्र०
उ० कहानी के अंत में मिठाई वाले ने रोहिणी से पैसे लेने से मना कर दिया क्योंकि उसने रोहिणी को अपनी व्यथा बता दी तथा आत्मसंतुष्टि पाने के लिए उसने पैसे लेने से मना कर दिया।